प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. :

# INTERMEDIATE EXAMINATION – 2025
# इन्टरमीडियट परीक्षा – 2025

(ANNUAL / वार्षिक )

MODEL QUESTION

MAITHILI (Compulsory)

मैथिली (अनिवार्य)

I.Sc, I.Com.,I.A. & Voc.

विषय कोड / Subject Code: 108/208/308/504

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड / Question Booklet Set Code

कुल प्रश्न :100 + 20 = 120 | कुल मुद्रित पृष्ठ :19

Total Question: 100 + 20 = 120 | Total Printed Pages : 19

(समय : 3 घंटे 15 मिनट) | (पूर्णांक : 100)

[Time : 3 Hours 15 Minutes] | [Full Marks : 100]

---

परीक्षार्थी लेल निर्देश :–

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपन प्रश्न पुस्तिका–क्रमांक (10 अंकक) अवश्य लिखथि।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपनहि शब्दमें उत्तर देथि।
3. दहिना भाग देल गेल अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करैत अछि।
4. प्रश्न के ध्यानपूर्वक पढ़बा लेल परीक्षार्थी के 15 मिनटक अतिरिक्त समय देल गेल अछि।
5. प्रश्न–पत्र दू खण्डमे विभाजित अछि – खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिश्ठ प्रश्न अछि, जाहिमे कोनो 50 प्रश्नक उत्तर देब अनिवार्य अछि। 50 प्रश्न सँ अधिकक उत्तर देलापर प्रथम 50 क मूल्यांकन होएत। प्रत्येक लेल 1 अंक निर्धारित अछि। एकर उत्तर लेल उपलब्ध कराओल गेल OMR उत्तर–पत्रकमे देल गेल सही विकल्पकेँ नीला / कारी बॉल पेनसँ प्रगाढ़ करू। कोनो प्रकारक ह्वाइटनर / तरल पदार्थ / ब्लेड / नह आदिक OMR उत्तर–पत्रक मे प्रयोग वर्जित अछि, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होएत।
7. खण्ड–ब मे 20 विषयनिष्ठ प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक समक्ष अंक निर्धारित अछि।
8. कोनो प्रकारक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणक प्रयोग पूर्णतया वर्जित अछि।

www.careerindia.com

## खण्ड–अ

## (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 सँ 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्नक संग चारि विकल्प देल गेल अछि, जाहिमे कोनो एक सही अछि। एहि 100 प्रश्नमे कोनो 50 प्रश्नक अपना द्वारा चुनल गेल सही विकल्प कँ OMR उत्तर–पत्रक पर चिह्नित करू। 50 X 1=50

निम्नलिखित बहुवैकल्पिक उत्तरमे कोनो 50 टाक सही उत्तर लिखू :–

1- हिमालयसँ कन्याकुमारी धरि विशाल क्षेत्र अछि

(A) भारतक (B) नेपालक

(C) भूटानक (D) पाकिस्तानक

2- गद्यक विकास भेल

(A) आदिकालमे (B) मध्यकालमे

(C) आधुनिककालमे (D) शून्यकालमे

3- भारतक एकताक स्रोत अबैत अछि

(A) वैदिक कालसँ (B) रामायण कालसँ

(C) महाभारत कालसँ (D) गुप्तकालसँ

4- 'ललका पाग' क विधा थिक

(A) निबन्ध (B) उपन्यास

(C) कथा (D) नाटक

5- 'रूना' कथाक लेखक छथि

(A) प्रभास कुमार चौधरी (B) राजकमल चौधरी

(C) मनमोहन झा (D) ललित

www.careerindia.com

6- भीमनाथ झाक निबन्ध अछि

(A) अधोगति
(B) राष्ट्रिय एकताक महत्त्व
(C) मैथिली साहित्यमे नचारी
(D) मैथिली निबन्ध साहित्यक रूपरेखा

7- 'डॉ० सर सी०वी० रमण' शीर्षक कैं रचयिता छथि

(A) मायानन्द मिश्र
(B) भाग्य नारायण झा
(C) उषाकिरण खान
(D) प्रबोध नारायण सिंह

8- कुमार गंगानन्द सिंहक रचना अछि

(A) मैथिली साहित्यमे नचारी
(B) ऋतु–वर्णना
(C) राष्ट्रिय एकताक महत्त्व
(D) हाथीक दाँत

9- 'बाबी' शीर्षक कथाक रचनाकार छथि

(A) जगदीशचन्द्र झा
(B) प्रभास कुमार चौधरी
(C) परमेश्वर झा
(D) गंगानाथ झा

10-ज्योतिरीश्वरक रचना अछि

(A) अधोगति
(B) ऋतु–वर्णना
(C) सीमन्तिनी
(D) ओवरलोड

11-'सोहर' क रचनाकार छथि

(A) गोविन्ददास
(B) हर्षनाथ झा
(C) आरसी प्रसाद सिंह
(D) गोविन्द झा

12-गोविन्ददास अपना काव्यगुरु मानलनि अछि

(A) मनबोधकैं
(B) विद्यापतिकैं
(C) लोचनकैं
(D) ज्योतिरीश्वरकैं

www.careerindia.com

13-''घट–घट मे वासी ब्रह्म एक'' कविताक पाँती अछि

(A) 'छुतहर'क (B) 'चिनगी'क

(C) 'आवाहन' क (D) 'नूतन स्वर'क

14-'राधा–विरह' महाकाव्यक प्रणेता छथि

(A) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' (B) काञ्चीनाथ झा 'किरण'

(C) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (D) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'

15-''आनन चुम्बि पयोधर धयल'' पाँती उद्धृत अछि

(A) 'बाल–लीला'सँ (B) 'सोहर'सँ

(B) 'जानकी–परिणय'सँ (D) 'मनुक्खक जीवन'सँ

16-'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' लिखलनि अछि

(A) हर्षनाथ झा (B) चन्दा झा

(C) लालदास (D) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'

17-आरसी प्रसाद सिंहक रचना अछि

(A) शरद–संगीत (B) उठह कृषक

(C) गोबर थिकहुँ हम (D) बाढ़िक हकरोस

18-सोमदेवक मूल नाम अछि

(A) जगदेव लाल (B) गौरी शंकर प्रसाद

(C) बचकन दास (D) चूड़ामणि दास

19-'सीतायन' महाकाव्यक प्रणेता छथि

(A) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' (B) गौरीकान्त चौधरी 'कान्त'

(C) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' (D) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'

www.careerindia.com

20-मनबोधक रचना अछि

(A) विद्यापति–वन्दना
(B) जानकी–परिणय
(C) सोहर
(D) बाल–लीला

21-सन्धिक भेद होइछ

(A) दू
(B) तीन
(C) चारि
(D) पाँच

22-समासक भेद होइछ

(A) तीन
(B) चारि
(C) पाँच
(D) छओ

23-वाच्यक भेद होइछ

(A) दू
(B) तीन
(C) चारि
(D) पाँच

24-'रवीन्द्र' शब्दक सन्धि–विच्छेद होएत

(A) रवी+न्द्र
(B) रवी+इन्द्र
(C) रवि+इन्द्र
(D) रवि+ईन्द्र

25-'परोपकार' शब्दक सन्धि–विच्छेद अछि

(A) परोप+कार
(B) पर+उपकार
(C) परो+पकार
(D) पर+ऊपकार

26-'महौषधि' शब्दक सन्धि–विच्छेद होइछ

(A) महौ+षधि
(B) महा+औषधि
(C) महा+औषधी
(D) महा+औषध

www.careerindia.com

27-'अत्यन्त' शब्दक सन्धि–विच्छेद होएत

(A) अत्य+अन्त
(B) अती+अन्त
(C) अति+अन्त
(D) अत्य+न्त

28-'पवित्र' शब्दक सन्धि–विच्छेद होइछ

(A) प+वित्र
(B) पो+इत्र
(C) पौ+इत्र
(D) प+इत्र

29-'दानवीर' शब्दमे समास अछि

(A) तत्पुरुष
(B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय
(D) बहुब्रीहि

30-'चूड़ा–दही' शब्दमे समास अछि

(A) द्वन्द्व
(B) बहुब्रीहि
(C) द्विगु
(D) अव्ययीभाव

31-'पीताम्बर' शब्दमे समास अछि

(A) तत्पुरुष
(B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय
(D) बहुब्रीहि

32-'पोथी–पतड़ा' शब्दमे समास अछि

(A) द्वन्द्व
(B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव
(D) बहुब्रीहि

33-'पाठशाला' शब्दमे समास अछि

(A) तत्पुरुष
(B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व
(D) द्विगु

www.careerindia.com

34-'पराक्रम' शब्दमे उपसर्ग अछि

(A) परि (B) परा

(C) पर (D) प्र

35-'अधिकार' शब्दमे उपसर्ग होएत

(A) अधिक (B) अधि

(C) आधि (D) अधिका

36-'अनुशासन' शब्दमे उपसर्ग होइछ

(A) अनु (B) अनू

(C) शासन (D) सन

37-'उपमान' शब्दमे उपसर्ग अछि

(A) उपमा (B) उप

(C) उपम (D) ऊप

38-'अपकार' शब्दमे उपसर्ग होइछ

(A) अप (B) अपक

(C) अपका (D) कार

39-'लड़कपन' शब्दमे प्रत्यय होएत

(A) लड़क (B) पन

(C) लड़ (D) कपन

40-'बुढ़ापा' शब्दमे प्रत्यय अछि

(A) बुढ़ (B) बुढ़ा

(C) पा (D) आपा

www.careerindia.com

41-'थकावट' शब्दमे प्रत्यय होइछ

(A) थका
(B) वट
(C) थकाव
(D) ट

42-'लघुता' शब्दमे प्रत्यय होएत

(A) लघु
(B) ता
(C) ल
(D) घुता

43-'चिकनाहट' शब्दमे प्रत्यय अछि

(A) चिकना
(B) हट
(C) चिकन
(D) आहट

44-'पक्ष' क विपरीतार्थक शब्द होइछ

(A) सपक्ष
(B) विपक्ष
(C) निरपेक्ष
(D) अनापेक्ष

45-'उर्वर' क विपरीतार्थक शब्द होइछ

(A) उवर्रक
(B) अनुर्वर
(C) उर्वी
(D) उरेहब

46-'सुख' क विपरीतार्थक शब्द अछि

(A) अधोगति
(B) अवनति
(C) दुःख
(D) सुखद

47-'सूर्य' क पर्यायवाची शब्द होइछ

(A) हुताशन
(B) आदित्य
(C) अविनाशी
(D) अवनि

www.careerindia.com

48-'जगत्' क पर्यायवाची शब्द होएत

(A) भव
(B) सदन
(C) दिव्यलोक
(D) वसुन्धरा

49-'अविराम' क अर्थ होइछ

(A) अभिराम
(B) लगातार
(C) अविलम्ब
(D) अविचल

50-'तरणी' क अर्थ होइत

(A) नाओ
(B) तारणी
(C) तरुणी
(D) कामिनी

51-''कानने कुसुम तोड़सि किए गोरी। कुसुमहि निरमित सब तनु तोरी।।'' — कविताक पाँती अछि

(A) 'सोहर'क
(B) 'चिनगी'क
(C) 'बाल–लीला'क
(D) 'कुसुम–वदना'क

52-'बाल–लीला' शीर्षक कवितामे वर्णन अछि

(A) रामक
(B) कृष्णक
(C) विष्णुक
(D) गणेशक

53-काशीकान्त मिश्र 'मधुप' क कविता अछि

(A) शरद–संगीत
(B) छुतहर
(C) चिनगी
(D) नूतन स्वर

54-कोइलीक कलरव ऋतुक परिचायक थिक

(A) ग्रीष्म ऋतुक
(B) वर्षा ऋतुक
(C) शिशिर ऋतुक
(D) वसन्त ऋतुक

www.careerindia.com

55-'बिहाड़ि, पात पाथर' उपन्यास छनि

(A) मायानन्द मिश्रक
(B) गोविन्द झाक
(C) मन्त्रेश्वर झाक
(D) मनमोहन झाक

56-'राजा पोखरिमे कतेक मछरी' पोथी अछि

(A) कविता–संग्रह
(B) कथा–संग्रह
(C) उपन्यास
(D) कथा–काव्य

57-हर्षनाथ झा दरबारी कवि छलाह

(A) लक्ष्मीश्वर सिंहक
(B) रामेश्वर सिंहक
(C) कामेश्वर सिंहक
(D) एहिमे किनको नहि

58-'कृष्णजन्म'क रचयिता छथि

(A) हर्षनाथ झा
(B) मनबोध
(C) मार्कण्डेय प्रवासी
(D) गोविन्ददास

59-'सावित्री सत्यवान' नाटकक रचनाकार छथि

(A) लालदास
(B) गोविन्द झा
(C) प्रबोध नारायण सिंह
(D) मायानन्द मिश्र

60-'ओझा लेखें गाम बताह'क रचनाकार छथि

(A) मन्त्रेश्वर झा
(B) गौरीकान्त चौधरी 'कान्त'
(C) सोमदेव
(D) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

61-'मिथिला तत्त्व विमर्श' कृति अछि

(A) परमेश्वर झाक
(B) गंगानाथ झाक
(C) दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क
(D) जगदीश चन्द्र झाक

www.careerindia.com

62-'अगिलही' कथा–संग्रह छनि

(A) कुमार गंगानन्द सिंहक
(B) प्रभास कुमार चौधरीक
(C) मायानन्द मिश्रक
(D) राजकमल चौधरीक

63-'मनोरथ' नाटकक रचयिता छथि

(A) भाग्य नारायण झा
(B) भीमनाथ झा
(C) उषाकिरण खान
(D) मनमोहन झा

64-'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासक लेखक छथि

(A) ललित
(B) मनमोहन झा
(C) राजकमल चौधरी
(D) मायानन्द मिश्र

65-डॉ० सर सी०वी० रमणकेँ नोबेल पुरस्कारसँ सम्मानित कयल गेलनि

(A) 1930 ई0 मे
(B) 1948 ई0 मे
(C) 1954 ई0 मे
(D) 1958 ई0 मे

66-'विविधा' निबन्ध संग्रह पर 'साहित्य अकादेमी' पुरस्कारसँ सम्मानित भेलाह

(A) भीमनाथ झा
(B) गोविन्द झा
(C) मन्त्रेश्वर झा
(D) भाग्यनारायण झा

67-'दूर्वाक्षत' उपन्यासक रचयिता छथि

(A) उषाकिरण खान
(B) प्रभास कुमार चौधरी
(C) जगदीश चन्द झा
(D) मायानन्द मिश्र

68-'धूर्त्त समागम' क रचनाकार छथि

(A) ज्योतिरीश्वर
(B) प्रबोध नारायण सिंह
(C) काञ्चीनाथ झा 'किरण'
(D) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'

www.careerindia.com

69-मार्कण्डेय प्रवासीक रचना अछि

(A) हम संस्कृति भारतवर्षक
(B) गोबर थिकहुँ हम
(C) बड़ा दिनक धूमधाम
(D) अग्रतः सकलं शास्त्रं पृष्ठतः सशरं धनुः

70-'होटल अनारकली' उपन्यासक रचयिता छथि

(A) सोमदेव
(B) प्रभास कुमार चौधरी
(C) उषाकिरण खान
(D) राजकमल चौधरी

71-'तिमिर'क शब्दार्थ होइछ

(A) प्रकाश
(B) भोर
(C) अन्धकार
(D) दैत्य

72-'प्रच्छन्न'क शब्दार्थ होएत

(A) झाँपल
(B) भोज
(C) पाताल
(D) कमजोर

73-'नागरि'क शब्दार्थ होइछ

(A) नगरमे रहनिहारि
(B) शहरमे रहनिहारि
(C) गाममे रहनिहारि
(D) विदेशमे रहनिहारि

74-'परिमल' क शब्दार्थ होइछ

(A) कमल
(B) शिव
(C) आँखि
(D) सुगन्ध

75-'वासी' क शब्दार्थ होइछ

(A) यात्री
(B) शिक्षक
(C) भात
(D) रहनिहार

www.careerindia.com

76-'छाती ठंढ़ा होयब' क तात्पर्य अछि

(A) शान्त होयब
(B) क्रोध करब
(C) प्रसन्नता होएब
(D) उत्साह बढ़ायब

77-'जान खायब' क तात्पर्य होइछ

(A) तंग करब
(B) तमसाएब
(C) मारि देब
(D) भूख लागब

78-'मोछ उखाड़ब'क तात्पर्य होइछ

(A) लज्जित करब
(B) अभिमान करब
(C) निश्चिन्त रहब
(D) आशामे रहब

79-'मूड़ी उठाएब' क तात्पर्य होइछ

(A) तत्पर होइब
(B) गौरवान्वित होएब
(C) जिज्ञासा राखब
(D) कष्ट उठाएब

80-'मुह कारी करब' क तात्पर्य होएत

(A) कलंक लागब
(B) रंज होएब
(C) उदण्ड बनाएब
(D) चिढ़ाएब

81-'नयन' क पर्यायवाची शब्द अछि

(A) दृग
(B) खंड
(C) नह
(D) दाँत

82-'जलयान' क पर्यायवाची शब्द अछि

(A) नाओ
(B) नेत्र
(C) निवास
(D) रोष

www.careerindia.com

83-'भूधर' क पर्यायवाची शब्द होइछ

(A) पहाड़ (B) कानन

(C) हस्त (D) अश्व

84-'गजानन' क पर्यायवाची शब्द अछि

(A) लम्बोदर (B) धेनु

(C) रतिपति (D) सुरपति

85-'सुधाकर' क पर्यायवाची शब्द अछि

(A) चन्द्रमा (B) सुरभि

(C) देवापाग (D) सुरसरि

86-'वागीश' क सन्धि–विच्छेद होएत

(A) वाग् + ईश (B) वाक् + ईश

(C) वागी + इश (D) वाकी + इश

87-'सज्जन' क सन्धि–विच्छेद होइछ

(A) सत् + जन (B) सज् + जन

(C) सत + जन (D) सज + जन

88-'एक + एक' कऽ सन्धि होएत

(A) एकएका (B) एकाएक

(C) ऐकक (D) एकैक

89-'पितृण' क सन्धि–विच्छेद होइछ

(A) पिता + ऋण (B) पितृ + ऋण

(C) पि + तृण (D) पितु + ऋण

www.careerindia.com

90-'निर्मल' क सन्धि–विच्छेद होएत

(A) नि + र्मल
(B) निः + मल
(C) निर्म + ल
(D) निर + मल

91-'आदान' क विपरीतार्थक शब्द होइछ

(A) परदान
(B) प्रदान
(C) वरदान
(D) आशीर्वाद

92-'एकमुखी' क विपरीतार्थक शब्द होइछ

(A) मुखी
(B) बहुमुखी
(C) चन्द्रमुखी
(D) सुमुखी

93-'काल्हि' क विपरीतार्थक शब्द अछि

(A) परसू
(B) आइ
(C) ऐहिक
(D) तरसू

94-'गुप्त' क विपरीतार्थक शब्द अछि

(A) अचर
(B) आगत
(C) मृत
(D) प्रकट

95-'भारी' क विपरीतार्थक शब्द होइछ

(A) मुक्ति
(B) खाली
(C) हल्लुक
(D) कल्पित

96-चन्दा झाक कारणेँ प्रसिद्ध भेल

(A) बिस्फी
(B) सतलखा
(C) पिण्डारुच्छ
(D) टेकटारि

www.careerindia.com

97-'आगू नाथ ने .....।' लोकोक्तिमे रिक्तस्थानपर होएत

(A) कानक सूनल (B) कान छेदौने

(C) पाछू पगहा (D) घरक झगड़ा

98-'एक म्यान मे .....।' – एतए रिक्तस्थानमे होएत

(A) मुसराक डर (B) सीनाजोरी

(C) चौपट राजा (D) दू तरुआरि

99-'चिड़इ कैं जान जाए .....।' लोकोक्ति मे रिक्तस्थानपर होएत

(A) रहुक सिर बिसाए (B) पूरीक लेल मारि

(C) नेना कैं खेलौना (D) मौसी–मौसी करए

100-'गंगा अछैत .....।' लोकोक्ति मे रिक्तस्थानपर होएत

(A) करए समतूल (B) पलट न आब

(C) नगर मे शोर (D) कूपक दोहाइ

## खण्ड – ब

## विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखितमे कोनो पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू: 5 X 2 = 10

1. फूलक स्वल्पता कोन ऋतुमे होइत अछि ?
2. सीमन्तिनीक भविष्यके विषयमे नवीन ज्योतिषी की बजलाह ?
3. रुनाक पति गामसँ रुसि कए किएक चलि गेलाह ?
4. तिरुक उपेक्षा कए राधाकान्त दोसर विवाह किएक करय चाहैत छल ?
5. 'नचारी' ककरा कहल जाइछ ?

www.careerindia.com

6. मिथिलेशक पत्रमे की सभ लिखल छल ?

7. 'छुतहर' अपनाकेँ शापित कोना बुझैत अछि ?

8. चिनगी गामक गामकेँ की करैत अछि ?

9. विपत्तिक समयमे शत्रुताक भाव कोना समाप्त भऽ जाइत अछि ?

10. कोइलीक कलरव कोन ऋतुक परिचायक थिक ?

निम्नलिखितमे कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू 5 X 3 = 15

11. गोबर की विनती करैत अछि ? सोद्देश्य लिखू।

12. भारतवर्षक संस्कृतिक मुख्य पहचान की थिकै ?

13. पठित कविताक आधार पर कृष्णक बाल–लीलाक वर्णन करु।

14. विविधतामे एकता भारतक प्रमुख विशेषता थिक, कोना ?

15. 'हाथीक दाँत' शीर्षक एकांकीक आधारपर नेताजीक चरित्र–चित्रण करु।

16. 'ललका पाग' कथामे पागक महिमा–मंडन कोन रुपेँ कयल गेल अछि ?

17. निम्नलिखितमे कोनो एक विषय पर निबन्ध लिखू : 1 X 8 = 8

क. चौठचन्द्र पावनि

ख. एक महापुरुषक जीवन चरित

ग. स्वावलम्बन

घ. मातृभाषाक महत्त्व

www.careerindia.com

18. निम्नलिखितमे कोनो दूटाक सप्रसंग व्याख्या करू : 2 X 4 = 8

क. ''ककरा अपेक्षेँ मिथिलाक अवस्था नीच, ई बुझब कठिन अछि। 'मिथिलाक अधोगति' सँ ई बोध होइत अछि जे पूर्वकालमे जे मिथिलाक दशा छल ताहिसँ एखन नीच दशा अछि। ई सिद्धान्त प्रायः समस्त जनतासँ स्वीकृत अछि।''

ख. ''राष्ट्रियताक एक सूत्रमे गाँथल एहि विधिते सभसँ भारतीय संस्कृतिक इन्द्रधनुषी मनोहारी स्वरूपक निर्माण भेल अछि। भारतक ई एहन विशिष्टता थीक जे संसारक प्रायः आन कोनो देशकेँ नहि छैक।''

ग. ''घट–घट मे वासी ब्रह्म एक,
हो भान अविद्या सँ अनेक।
बुझितहुँ वेदान्ती हमर वारि,
अपवित्र कहथि कऽ कऽ प्रलाप।।''

घ. मरबे जखन लक्ष्य छैक
जीवनक अंतिम,
तखन किएक ने जीबैत
अछि मरिकेँ मनुक्ख ?''

19. पोथी कीनबा लेल रुपैआक माँग हेतु बाबूजीकेँ पत्र लिखू। 1 X 5 = 5

*अथवा*

प्रवेश पत्रमे नाम सुधारबा लेल बिहार विद्यालय परीक्षा समितिकेँ आवेदन पत्र लिखू।

www.careerindia.com

20. संक्षेपण करू : 1 X 4 = 4

निबन्ध विधा रहुत उदार अछि। ततेक उदार अछि जे आन विधाक असफल रचनाक प्रसंग उपहास वा व्यंग्यमे सेहो एकर नाम लेल जाइछ। कथा छुटलनि निबन्ध भऽ गेलनि; अरे! ई समीक्षा की खाक भेल, ई तँ निबन्ध भऽ गेल; लिखय लगता संस्मरण, लिखि देलनि निबन्ध– एहन उक्ति सभ यदाकदा सुनबामे अबैत अछि। निबन्ध लेल ई चिन्ताक नहि, आह्लादक विषय थिक।

**अथवा**

एकता आ राष्ट्रक शक्तिमे अभिन्न सम्बन्ध अछि। कोनो राष्ट्र ताबत हृष्ट–पुष्ट आ बलिष्ठ नहि कहल जा सकैछ जाबत ओकर विभिन्न अंगमे पारस्परिक एकात्मकता नहि होइक। ओनातँ मनुष्य रूप, रंग, जाति–धर्म, योग्यता, स्वभाव इत्यादिमे एक दोसरासँ भिन्न रहैत अछि, परंच व्यापक रूपमे ओहि सभमे एक प्रकारक आभ्यन्तरिक एकता रहैत छैक, जे समान लक्ष्य दिस प्रेरित करबामे एहि सभ विभिन्नताकेँ गौण बना दैत छैक। इएह आभ्यन्तरिक एकता थीक एकात्मकता, जाहि पर राष्ट्रक विकास आ सुरक्षा निर्भर रहैत छैक।

X X X

www.careerindia.com